प्रेस विज्ञप्ति

14 मई, 2026

<u>हडको ने वित्त वर्ष 2026 में रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ अपनी विकास गति को बनाए रखा</u>

नई दिल्ली: हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक नवरत्न सीपीएसई और एनबीएफसी-आईएफसी (इंफ्रास्ट्रक्चर वित्तीय कंपनी) है, जो देश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में *विकसित भारत 2047 के विजन के साथ* अहम भूमिका निभा रही है। तिमाही दर तिमाही निरंतर वित्तीय वृद्धि और सतत विकास में दिखने वाले अपने सुसंगत प्रदर्शन के साथ, हडको भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और शहरी परिवर्तन में अपना योगदान बढ़ाने के लिए पूरी तरह सुदृढ़ स्थिति में है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, हडको ने **₹4,034.37 करोड़ का अब तक के उच्चतम शुद्ध लाभ** के साथ ऋण स्वीकृतियां, संवितरण और ऋण पुस्तिका में अब तक की उच्चतम वृद्धि प्राप्त की।

वित्त वर्ष 2025-26 के वित्तीय परिणामों की मुख्य बातें:

- **ऋण स्वीकृति अब तक के उच्चतम** स्तर ₹1,64,757.79 करोड़ पर पहुँच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 29% की वृद्धि है।
- **अब तक का सर्वाधिक ऋण संवितरण** ₹51,194.21 करोड़ है, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 28% की वृद्धि हुई है।
- इस वर्ष के दौरान प्रचालन से प्राप्त राजस्व ₹13,150.40 करोड़ रहा, जो दृढ व्यावसायिक गति और प्रचालनात्मक प्रदर्शन को दर्शाता है।
- **ऋण पुस्तिका** बढ़कर ₹1,60,724.30 करोड़ हो गई, जिसमें 29% की वृद्धि दर्ज की गई, और साथ ही परिसंपत्ति गुणवत्ता भी बेहतरीन बनी रही।
- उधार लेने की कुल लागत में **27 बीपीएस की कमी**
- ₹70,000 करोड़ के **वार्षिक उधार योजना** को मंज़ूरी दी।
- **अब तक का उच्चतम कुल लाभांश भुगतान** 60.50% यानी ₹6.05 प्रति शेयर, जिसमें ₹1.50 प्रति शेयर का अंतिम लाभांश शामिल है; यह शेयरहोल्डर्स के अनुमोदन के अधीन है।
- वित्त वर्ष 2025 के 0.25% की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में एनपीए घटकर 0.05% के महत्वपूर्ण स्तर पर आ गया है, जो **शून्य शुद्ध एनपीए कंपनी** बनने के लक्ष्य की ओर निरंतरता को दर्शाता है।

श्री संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हडको, ने तिमाही परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने ₹1.50 लाख करोड़ की ऋण पुस्तिका का बाजार मार्गदर्शन, वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ही प्राप्त कर लिया है। उन्होंने आगे कहा कि हडको अपनी विकास की गति को बनाए रखने के लिए निरंतर

संगठनात्मक सुधार कर रहा है और बाजार विकास पर नियंत्रण बनाए हुए है। इस प्रदर्शन में योगदान देने वाली **मुख्य पहल** में नीतिगत सुधार, संसाधनों के आधार का विविधीकरण, पहली बार परपेचुअल बॉन्ड जारी करना, स्ट्रेस्ड संपत्तियों के समाधान पर विशेष ध्यान, ईएसजी फ्रेमवर्क, उत्तराधिकार योजना, ईआरपी एवं ई-ऑफिस जैसी डिजिटल पहल, और बेहतर शासन व वित्तीय नियंत्रण शामिल हैं।

हडको की विकासात्मक पहल पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि, भारत सरकार के **अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ़)** और **विकसित भारत** के विजन के अनुरूप, हडको ने **अर्बन इन्वेस्ट विंडो (यूआईविन)** का शुभारम्भ किया, इसका उद्देश्य विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में सतत और बैंक योग्य शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने में शहरी स्थानीय निकायों को सहायता प्रदान करना है। साथ ही हडको ने पांच प्रमुख क्षेत्रों– सड़क, रियल एस्टेट, ऊर्जा, हवाई अड्डे और समुद्री बंदरगाह–में **पीपीपी वित्तपोषण** की शुरुआत करके अपने ऋण देने के पोर्टफोलियो का विस्तार किया है, जिससे देश की विकासशील इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यकताओं के लिए सहयोग को और सुदृढ़ किया जा सके।

हडको सतत दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने और सभी स्टेकहोल्डर के लिए बेहतर मूल्य सृजित करने हेतु क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं विकास, स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तथा टैलेंट एक्विजिशन में निरंतर निवेश के लिए प्रतिबद्ध है।